ISSN 2454-5554
An International Peer Reviewed & Referred
SJIF 2015-3.489
INTERNATIONAL JOURNAL
OF EDUCATIONAL RESEARCH STUDIES
IJERS

उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों के संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार व उनकी कार्य हस्तांतरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सहसम्बंध का अध्ययन

रेखा सोनी[1] Ph. D. & अर्चना शर्मा[2]

[1](Vice principal) Sri Ganganagar T.T.P.G. College, Sri Ganganagar (Tantia University)

[2](Ph.D. Scholar) Tantia University

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों के संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार व उनकी कार्य हस्तान्तरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सह सम्बंध का अध्ययन करना था। इस अध्ययन हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि को अपनाते हुए न्यादर्श के रूप में कुल २०० संस्था प्रधानों को यादृच्छिक न्यादर्श चयन की लॉटरी विधि से चयन किया गया है। प्रदत्तों के संकलन हेतु डॉ. आशा हिंगर द्वारा निर्मित – नेतृत्व व्यवहार मापनी व डॉ. श्रीमती कृष्णा अग्रवाल द्वारा निर्मित कार्य हस्तान्तरण प्रभावशीलता मापनी का प्रयोग किया गया है। एकत्रित दत्तों के विश्लेषण हेतु वर्णनात्मक सांख्यिकीय प्रविधियों में मध्यमान एवं मानक विचलन व निर्वचनात्मक सांख्यिकीय प्रविधियों में सहसम्बंध का प्रयोग किया गया। प्रदत्तों के विश्लेषणोपरान्त पाया गया कि उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत पुरूष संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व उनकी कार्य हस्तांतरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सहसम्बंध है तथा राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत महिला संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार व उनकी कार्य हस्तांतरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सहसम्बंध नहीं है।

प्रस्तावना :–

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। जो हमारे भविष्य की रूपरेखा तैयार करता है और स्वस्थ मस्तिष्क हेतु ज्ञानरूपी औषधि आवश्यक है, जो कि शिक्षा है। शिक्षा को देश की आधारशीला माना गया है। क्योंकि शिक्षा बालक के सर्वांगीण विकास हेतु अति आवश्यक है और बालक देश का भविष्य होते हैं। शिक्षण प्रक्रिया का संचालन सामान्यतः शिक्षण संस्थानों में किया जाता है। जिसका मुखिया व नेता प्रधानाचार्य होता है। जो कि संस्था प्रधान होता है। जिसकी भूमिका संस्था में प्रमुख होती है और उसे संस्था का नेतृत्व करना पड़ता है जो कि कई तथ्यों से प्रभावित होता है। जैसे संवेगात्मक स्थिरता, दल निर्माण की क्षमता, निष्पति उन्मुखता, कार्य प्रेरकता, सामाजिक बुद्धिमता व मूल्य निरूपता आदि। संस्था प्रधान को संस्था

के प्रशासनिक संचालन हेतु संस्था से सम्बंधित कार्यो को अन्य संस्था सदस्यों को हस्तान्तरित करना पड़ता है। क्योंकि अकेले समस्त कार्यो को करना अकेले प्रधानाचार्य के लिए बोझ हो जाते हैं। इसलिए कार्यो को हस्तान्तरित करना कार्य कुशलता को बढ़ाता है। संस्था प्रधान की नेतृत्व क्षमता कार्य हस्तान्तरण की कला से भी प्रभावित होती है। किस प्रकार एक संस्था प्रधान संस्था में नियोजन कर संस्थागत गतिविधियों व क्रियाओं को परिपूर्णता तक पहुंचाता है। यह उसकी नेतृत्व की क्षमता व व्यवहार पर निर्भर करता है। उसका नेतृत्व व्यवहार संस्था व समाज में उसकी छवि दर्शाता है। उसकी योग्यता का आंकलन करता है। संस्था प्रधान संस्था सदस्यों व प्रशासन के मध्य की एक ऐसी प्रभावशाली कड़ी होता है जो संस्था के सदस्यों को संतुष्टि प्रदान करने के साथ-साथ प्रशासन का विश्वास भी बनाये रखने वाला व्यक्तित्व होता है। वह संगठनात्मक वातावरण को स्वस्थ रखने वाली एक औषधि की तरह है। संस्था प्रधान का व्यक्तित्व व प्रशासनिक छवि जितनी प्रभावक होगी संस्था का भविष्य भी उतना ही उज्ज्वल होगा।

अध्ययन के उद्देश्य :-

१. उच्च माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थाओं में कार्यरत पुरूष संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व उनकी कार्य हस्तांतरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सह सम्बंध का अध्ययन करना।

२. उच्च माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत महिला संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व कार्य हस्तांतरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सह सम्बंध का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ :-

१. उच्च माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत पुरूष संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व उनकी कार्य हस्तांतरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सार्थक सह सम्बंध नहीं है।

२. उच्च माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत महिला संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व उनकी कार्य हस्तान्तरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सार्थक सम्बंध नहीं है।

अध्ययन विधि :–

प्रस्तुत शोध में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श का चयन :–

प्रस्तुत शोध के न्यादर्श चयन हेतु शोधार्थी द्वारा सम्भाव्य न्यादर्श प्रविधियों को अपनाते हुए राजस्थान राज्य के गंगानगर व हनुमानगढ़ जिले की विभिन्न राजकीय व अराजकीय शिक्षण संस्थानों से कुल २०० संस्था प्रधानों का चयन किया गया है। जिसमें १०० संस्था प्रधान राजकीय शिक्षण संस्थानों से जिसमें ५० पुरूष संस्था प्रधान व ५० महिला संस्था प्रधान हैं तथा १०० संस्था प्रधान अराजकीय शिक्षण संस्थानों से हैं। जिसमें ५० पुरूष व ५० महिला संस्था प्रधान हैं।

उपकरण :–

शोध के संदर्भ में सम्बंधित प्रदत्तों के संकलन हेतु नेतृत्व व्यवहार मापनी (डॉ. आशा हिंगर) व कार्य हस्तान्तरण प्रभावशीलता मापनी (डॉ. श्रीमती कृष्णा अग्रवाल) का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन के संदर्भ में प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय प्रविधियों में मध्यमान, मानक विचलन व सहसम्बंध का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं विवेचन :–

उच्च माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत पुरूष संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व उनकी कार्य हस्तांतरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सहसम्बंध का अध्ययन।

उपरोक्त उद्देश्य हेतु प्रदत्त एकत्रिकरण के पश्चात् उच्च माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत पुरूष संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व कार्य हस्तान्तरण सम्बंधी प्रभावशीलता का मध्यमान, मानक विचलन व सह सम्बंध ज्ञात किये गये जिन्हें तालिका संख्या १ में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या १

राजकीय शि. संस्था	मध्यमान	प्रमाप विचलन	सहसम्बंध गुणांक	परिणाम
पुरूष संस्था प्रधान	10.74	6.152	0.344	सार्थक सहसम्बंध

तालिका संख्या १ के अवलोकन से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत पुरूष संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व कार्य हस्तान्तरण सम्बंधी प्रभावशीलता का मध्यमान व प्रमाप विचलन १०.७४, ६.१५२ प्राप्त हुए तथा इसके आधार पर प्राप्त सहसम्बंध गुणांक ०.३४४ प्राप्त हुआ जो कि सार्थकता के दोनों स्तरों ०.०१ व ०.०५ पर सार्थक है। अतः इस आधार पर परिणाम स्वरूप कहा जा सकता है कि उच्च माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत पुरूष संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता कार्य हस्तांतरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सहसम्बंध पाया जाता है।

उच्च माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत महिला संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व उनकी कार्य हस्तान्तरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सहसम्बंध का अध्ययन करना।

उपरोक्त उद्देश्य हेतु एकत्रित दत्तों के विश्लेषण हेतु उच्च माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत महिला संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व कार्य हस्तान्तरण सम्बंधी प्रभावशीलता का मध्यमान, मानक विचलन व सहसम्बंध ज्ञात किया गया जिन्हें तालिका संख्या २ में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका – २

राजकीय शि.सं.	मध्यमान	प्रमाप विचलन	सहसम्बंध	परिणाम
महिला संस्था प्रधान	9.88	1.774	0.231	सहसम्बंध नहीं

उपरोक्त सारणी संख्या २ में माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत महिला संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व उनकी कार्य हस्तान्तरण सम्बंधी प्रभावशीलता का मध्यमान ९.८८ मानक विचलन १.७७४ व सहसम्बंध गुणांक ज्ञात किया गया। जो कि ०.२३१ प्राप्त हुआ। जो कि सार्थकता

के स्तर ०.०१ व ०.०५ पर असार्थक है। अतः परिणाम स्वरूप कहा जा सकता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के भी राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत महिला संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व उनकी कार्य हस्तान्तरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सहसम्बंध नहीं है।

निष्कर्ष :–

परिकल्पना संख्या १ से सम्बंधित दत्तों को विश्लेषित करने पर निष्कर्ष रूप में यही तथ्य सामने आता है कि उच्च माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत पुरूष संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार के पक्ष संवेगात्मक स्थिरता पर उनकी कार्य हस्तान्तरण सम्बंधी प्रभावशीलता का प्रभाव पड़ता है। दोनों में सहसम्बंध है।

परिकल्पना संख्या २ से सम्बंधित दत्तों को विश्लेषित करने पर निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि उच्च माध्यमिक स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थानों में कार्यरत महिला संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार सम्बंधी आयाम संवेगात्मक स्थिरता व उनकी कार्य हस्तान्तरण सम्बंधी प्रभावशीलता में सम्बंध नहीं है।

आगामी शोध हेतु सुझाव :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन राजस्थान राज्य के दो जिलों तक ही सीमित रखकर किया गया है। इसे राज्य के अन्य और जिलों में भी किया जा सकता है।

प्रस्तुत शोध में राजकीय व अराजकीय उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में कार्यरत पुरूष व महिला संस्था प्रधानों को शामिल किया गया है। अतः अन्य तकनीकी संस्थानों में कार्यरत संस्था प्रधानों पर भी किया जा सकता है।

उपयोगिता :–

संसार की प्रत्येक वस्तु मूल्यवान और उपयोगी होती है। अतः प्रस्तुत शोध भी वर्तमान समय में उपयोगी सिद्ध है। प्रस्तुत शोध अध्ययन शिक्षण संस्थानों में कार्यरत संस्था प्रधानों के नेतृत्व व्यवहार से परिचित कराने में सक्षम है। साथ ही उनके नेतृत्व व्यवहार व उनकी कार्य हस्तान्तरण सम्बंधी प्रभावशीलता का आकलन करने में भी उपयोगी है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के निष्कर्षो से प्रेरित होकर संस्था प्रधान अपने व्यवहार व कार्य हस्तान्तरण में सम्बंधों का आंकलन कर सकेंगे।